https://printo.it/pediatric-rheumatology/IN_HI/intro

जुवेनाइल स्पान्डिलोआर्थोपैथी/एन्थीसाइटिस रिलेटेड आर्थराइटिस (जुवेनाइल स्पा -इ आर ऐ)

के संस्करण 2016

1. जुवेनाइल स्पान्डिलोआर्थोपैथी/एन्थीसाइटिस रिलेटेड आर्थराइटिस (जुवेनाइल स्पा -इ आर ऐ) क्या है?

1.1 ये क्या है?

जुवेनाइल स्पा -इ आर ऐ के अंतर्गत वह बीमारियां आती हैं जिनमें लम्बे समय तक जोड़ों की सूजन होती है अत: हड्डियों और मांसपेशियों को जोड़ने वाली टेन्डेनों की सूजन होती है (उस जगह पर जहाँ वे हड्डी से मिलती) हैं। यह अधिकतर पैरों में होती है पर कभी-कभी ये पीठ के जोड़ों मे भी हो सकती है। (निचली पीठ और कूल्हे के जोड़ों की सूजन अर्थात सेक्रोईलियाटिस से कूल्हे में दर्द होता है)। जुवेनाइल स्पा -इ आर ऐ उन लोगों में ज्यादा होती है जिनमें HLA- बी27 जीन होता है। हैरानी की बात यह है कि HLA- बी27 जीन वाले कुछ ही लोगों में यह बीमारी होती है। अर्थात HLA- बी27 का होना बीमारी का एक मात्र कारण नहीं है हमें यह पता नहीं है कि बी0 27 का इस बीमारी के होने में क्या योगदान है? कभी-कभी आँत या पेशाब की नली में संक्रमण से बीमारी के लक्षणों की शुरूआत हो सकती है जिसे रिएक्टिव आर्थराइटिस कहते हैं। बच्चों में इस बीमारी के कुछ लक्षण और उनकी गंभीरता बडों से भिन्न हो सकती है। फिर भी ये बीमारी बड़ों में होने वाली स्पान्डिलोआर्थोपैथी (रीढ़ और जोड़ों की बीमारी) से मिलती जुलती है। बच्चों में होने वाली यह बीमारियां जिनमें जोड़ों की सूजन के साथ एन्थीसाइटिस होती हैं वे भी जुवेनाइल स्पान्डिलोआर्थोपैथी के अंतर्गत आती हैं।

1.2 किन बीमारियों को जुवेनाइल स्पा -इ आर ऐ कहते हैं?

जैसे कि ऊपर बताया गया है कि जुवेनाइल स्पान्डिलोआर्थोपैथी एक बीमारी के समूह का नाम है जिनके लक्षण एक दूसरे से मेल खाते हैं जैसे रीढ की हड्डी व जोड़ों में प्रभाव। आंक्यलोसिंग स्पॉन्डिलाइटिस, सोरिअटिक आर्थराइटिस, रिएक्टिव आर्थराइटिस जो आँत की बीमारियों के साथ संम्बंन्धित है। एंथेसिटिस रिलेटेड आर्थराइटिस व सोरिअटिक आर्थराइटिस दो अलग बीमारियॉ हैं जो जुवेनाइल स्पा संम्बंन्धित है।

1.3 यह बीमारी कितनी प्रचलित है?
जुवेनाइल स्पा-इ आर ऐ बच्चों में होने वाली जोड़ो की बीमारियों में काफी प्रचलित है। यह लड़कों में लड़कियों की तुलना में ज्यादा पाई जाती है। दुनिया के कुछ भागों में यह बच्चों के गठिया रोग का 30% तक हो सकती है। अधिकतर इसके पहले लक्षण 6 साल की उम्र के आसपास शुरू होते हैं। चूंकि काफी जुवेनाइल स्पा-इ.आर.ऐ. के मरीज (करीब 85%) में HLA बी27 होता है इसलिये इसका प्रचलन जनता अथवा परिवार में HLA बी27 के प्रचलन पर निर्भर है।

1.4 इस बीमारी के क्या कारण है?
जुवेनाइल स्पा-इ.आर.ऐ का कारण पता नहीं है। इसमें हमारे जीन जैसे की HLA बी27 व कुछ और जीन बीमारी होने की संभावना को बढाते हैं। आज-कल यह समझा जाता है कि एच0एल0ए0 बी0-27 जो कि इस बीमारी से संम्बंन्धित है वह ठीक से बनता नहीं है (ऐसा 99% एच0एल0ए0 बी0-27 वाले स्वस्थ लोगों में लहीं होता है) और जब वह अन्य कणों व उनके द्वारा बनाये गये पदार्थों से मिलता है तो व बीमारी को शुरू करता है। पर यह बताना जरूरी है कि एच0एल0ए0 बी0-27 बीमारी का कारण नहीं है परन्तु उसमें उसका सहायक योगदान है।

1.5 क्या ये माता-पिता से बच्चों में आ सकती है?
एच0एल0ए0 बी0-27 जीन अन्य जीन किसी ब्यक्ति में जुवेनाइल स्पा-इ.आर.ऐ होने की संभावना को बढाते हैं। हम यह भी जानते हैं कि करीब 20% इस बीमारी के मरीजों में उनका कोई रिश्तेदार भी प्रभावित होता है। अत: यह बीमारी परिवार में कई लोगों को हो सकती है। पर यह वांशिक बीमारी नहीं है। यह सिर्फ 1% एच0एल0ए0 बी0-27 रखने वाले लोगों होती है। दूसरे शब्दों में कहें तो 99% एच0एल0ए0 बी0-27 रखने वाले लोगों को जुवेनाइल स्पा-इ.आर.ऐ नहीं होता। अलग-अलग जातियों में अलग जीन पाये गये हैं।

1.6 क्या इसका बचाव संभव है?
इसका बचाव संभव नहीं है क्योंकि इसके कारण अज्ञात हैं। अगर मरीज के भाई बहनों में बीमारी के लक्षण नहीं हैं तो उनकी एच0एल0ए0 बी0 27 जॉच करने का कोई फायदा नहीं।

1.7 क्या ये सक्रमण की बीमारी है?
नही, ये सक्रमण की बीमारी नही है, उन लोगो में भी नहीं जिनमे सक्रमण से बीमारी शुरू होती है। यह भी है कि सब लोग जिनको एक समय पर एक ही बैक्टीरिया से सक्रमण होता है जुवेनाइल स्पा -ई आर ऐ से प्रभावित नहीं होते हैं ।

1.8 इसके प्रमुख लक्षण क्या है?
जुवेनाइल स्पा-इ आर ऐ के कुछ सामान्य लक्षण होते हैं।

जोडों में दर्द
इसके प्रमुख लक्षण हैं :जोडों में दर्द और सूजन और जोडों को पूरी तरह से हिला न पाना। बहुत बच्चो मे टांग के कुछ जोड़ो में प्रभाव होता हे। ओलिगोआर्थराइटिस का मतलब है 4 या 4 से कम जोड़ो में प्रभाव होना। लंबे दौरान वाली बीमारी वाले बच्चो में पोल्यार्थराइटिस हो सकता है। पोल्यार्थराइटिस का मतलब होता है 4 से अधिक जोड़ प्रभावित होना। जोड़ो की सूजन अधिकतर घुटने, एड़ी, तलवे के बीच का हिस्सा ओर कूल्हा; कभी-कभी पैर के छोटे-छोटे भी जोड़ भी प्रभावित हो सकते हैं।
कुछ बच्चों में हाथ के जोडों में सूजन हो सकती है खासकर कंधों में।

एन्थीसाइटिस
एन्थीसाइटिस, इसका मतलब है उस जगह में सूजन जहॉ टेन्डेन या लिगमेन्ट हड्डी से जुड़ती है। यह स्पा-इ आर ऐ का दूसरा लक्षण है यह खासकर एड़ी में, तलवे के बीच में और घुटने के चारों तरफ पाई जाती है। जिसमें इन जगहों में दर्द होता है। लम्बे समय तक सूजन से हड्डी में बढत हो सकती है खासकर एड़ी में जिससे एड़ी में दर्द होता है।

सेक्रोईलियाइटिस
इसका मतलब है कि कमर ओर कूल्हे के पीछे के जोड़ में सूजन। बीमारी की शुरूआत में इसके होने की संभावना कम है। यह बीमारी की शुरूआत के 5 से 10 साल बाद होता है।
कूल्हे में दर्द इसका प्रमुख लक्षण है।

कमर में दर्द, स्पान्डिलाइटिस
रीढ की हड्डी की सूजन शुरूआत में बहुत कम लोगों में होती है। ये बीमारी में कुछ समय बाद हो सकती है। प्रमुख लक्षण है: कमर दर्द, सुबह-सुबह जोडों में अकड़न ओर जोडों को हिलाने में कठिनाई। कमर में दर्द के साथ गर्दन ओर छाती में भी दर्द हो सकता है। रीढ की हड्डी में लम्बी बीमारी से कभी-कभी हड्डियों के बीच में पुल बन जाते हैं (बैम्बू स्पाइन)। लेकिन ये सिर्फ कुछ ही मरीजों में ओर लम्बी बीमारी के बाद ही मिलता है। इसलिये ये सामान्यत: बच्चों में नहीं पाया जाता है।

ऑख का प्रभाव
एक्यूट एंटीरियर उवेइटिस आँख की झिल्ली की सूजन को कहते है। यह एक असाधारण लक्षण है और यह एक तिहाई मरीजों क एक बार या बार बार बार हो सकता है। एक्यूट एंटीरियर उवेइटिस आँख में दर्द,लाली, व दुँधलापन कर सकता है जो कई हफ्ते रहता है। अधिकतर एक समय पर यह एक आँख को प्रभावित करता है पर बार बार ह सकता है। इसका उसी समय आँख के डॉक्टर से इलाज़ करना जरुरी है। यह ओलिगोआर्थराइटिस व एनए के साथ, लड़कियों में पाये जाने वाले उवेइटिस से भिन्न है।

चमड़ी पर प्रभाव

जुवेनाइल स्पा-इ आर ऐ मैं कुछ बच्चों को या तो पहले से ही सोरऑससि होता है या उनहें बाद मे हो जाता है। इन मरीजों को इ आर ऐ नहीं कहते व उनहें सोरअिटकि आर्थराइटसि कहा जाता है। ये एक लम्बे दौरान की चमड़ी की बीमारी है जसिमें चमड़ी उधडनें लगती है खासकर कोहनी और घुटनों पर। कुछ बच्चों में चमड़ी की बीमारी, जोड़ों की सूजन से बहुत पहले आ जाती है और कुछ में बहुत बाद में।

आँत पर प्रभाव

कुछ बच्चों में आँत की बीमारयिां जैसे क्रोहन्स डजिीज व अल्सरेटवि कोलटिसि के साथ स्पोन्डयलोअर्थरोपैथी हो सकती है। इ आर ऐ में आंत का प्रज्जवलन शामलि नहीं है। पर कुछ बच्चो में आंत में सूजन ह सकती है (बनिा कसिी लक्षण के) और जोड़ो का दर्द ही ज्यादा होता है, जसि के लएि दवा लेनी पड़ती है।

1.9 क्या ये बीमारी हर बच्चे में एक सी होती है?

यह बीमारी के अनेक रूप है। कुछ बच्चो में यह बहुत हलकी व थोड़े समय के लयिा होती है और कुछ बच्चो में यह लम्बे दौरान के लएि व गंभीर होती है। अत: यह संभव है कि बहुत बच्चो में यह सर्फि एक जोड़ को कुछ हफ्तों के लएि प्रभावति करे और दोबारा कभी न हो।

1.10 क्या ये बीमारी बच्चों में बडों से अलग होती है?

जुवेनाइल स्पा -ई आर ऐ के प्रारंभकि लक्षण बड़ों में हनि वाले स्पा से अलग होते है , पर वो दोनों सामान प्रकार की बीमारयिां है। बीमारी की शुरूआत में बच्चों में हाथ और पैर के जोडों पर प्रभाव ज्यादा होता है जबकि बडों में रीढ की हड्डी पर प्रभाव ज्यादा होता है। बीमारी की गंभीरता बच्चो में ज्यादा होती है